Q. No एक अच्छे प्रतिदर्श (Good Sample) की विशेषताएँ लिखिए।

शोध (Research) ज्ञान प्राप्त करने की एक वैज्ञानिक, व्यवस्थित एवं तार्किक प्रक्रिया है। किसी भी शोध का उद्देश्य किसी समस्या का समाधान करना, नए तथ्यों की खोज करना या पहले से उपलब्ध तथ्यों का परीक्षण करना होता है। शोध में जिस समूह या क्षेत्र का अध्ययन किया जाता है, उसे समग्र (Population/Universe) कहा जाता है। कई बार समग्र का आकार इतना बड़ा होता है कि उसके प्रत्येक सदस्य का अध्ययन करना संभव नहीं होता। ऐसी स्थिति में समग्र में से कुछ इकाइयों का वैज्ञानिक ढंग से चयन किया जाता है, जिसे प्रतिदर्श (Sample) कहा जाता है।

प्रतिदर्श का चयन शोध की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में से एक है, क्योंकि पूरे शोध की सफलता उसी पर निर्भर करती है। यदि प्रतिदर्श उचित होगा, तो शोध के निष्कर्ष भी सही और विश्वसनीय होंगे। इसके विपरीत यदि प्रतिदर्श दोषपूर्ण होगा, तो पूरा शोध प्रभावित हो जाएगा। इसलिए एक अच्छे प्रतिदर्श में कुछ आवश्यक गुणों का होना अनिवार्य है।

एक अच्छे प्रतिदर्श की प्रमुख विशेषताएँ

1. प्रतिनिधित्वपूर्ण (Representative)

एक अच्छे प्रतिदर्श की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वह समग्र का सही प्रतिनिधित्व करे। प्रतिदर्श में समग्र के सभी वर्गों, क्षेत्रों, आयु समूहों, लिंग, सामाजिक एवं आर्थिक स्तर आदि का उचित समावेश होना चाहिए। इससे प्राप्त निष्कर्ष पूरे समग्र पर लागू किए जा सकते हैं।

2. उचित एवं पर्याप्त आकार (Adequate Size)

प्रतिदर्श का आकार शोध के उद्देश्य, समग्र की प्रकृति तथा उपलब्ध संसाधनों के अनुसार पर्याप्त होना चाहिए। बहुत छोटा प्रतिदर्श वास्तविक स्थिति को स्पष्ट नहीं कर पाता, जबकि बहुत बड़ा प्रतिदर्श समय, धन तथा श्रम की अनावश्यक बर्बादी करता है। इसलिए संतुलित आकार का प्रतिदर्श सबसे उपयुक्त माना जाता है।

3. निष्पक्षता (Freedom from Bias)

प्रतिदर्श के चयन में किसी प्रकार का व्यक्तिगत, सामाजिक, राजनीतिक या संस्थागत पक्षपात नहीं होना चाहिए। यदि चयन पक्षपातपूर्ण होगा, तो निष्कर्ष भी गलत होंगे। निष्पक्ष प्रतिदर्श शोध की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बढ़ाता है।

4. यादृच्छिक चयन (Random Selection)

एक अच्छे प्रतिदर्श का चयन यादृच्छिक (Random) विधि से किया जाना चाहिए ताकि समग्र की प्रत्येक इकाई को चयनित होने का समान अवसर प्राप्त हो। इससे चयन में पक्षपात की संभावना समाप्त हो जाती है।

5. विश्वसनीयता (Reliability)

प्रतिदर्श ऐसा होना चाहिए कि यदि उसी अध्ययन को दोबारा किया जाए, तो लगभग समान परिणाम प्राप्त हों। इससे शोध के निष्कर्षों की विश्वसनीयता सिद्ध होती है।

6. शुद्धता एवं सटीकता (Accuracy)

एक अच्छा प्रतिदर्श समग्र की वास्तविक स्थिति के अधिकतम निकट होना चाहिए। इससे प्राप्त आँकड़े सही होते हैं और शोध के निष्कर्ष अधिक प्रमाणिक बनते हैं।

7. स्वतंत्रता (Independence)

प्रतिदर्श की प्रत्येक इकाई स्वतंत्र होनी चाहिए। किसी एक इकाई का चयन दूसरी इकाई के चयन को प्रभावित नहीं करना चाहिए। इससे अध्ययन अधिक निष्पक्ष और वैज्ञानिक बनता है।

8. समग्र की विविधता का समावेश (Inclusion of Diversity)

यदि समग्र में विभिन्न प्रकार के वर्ग या समूह हैं, तो प्रतिदर्श में भी उन सभी का उचित प्रतिनिधित्व होना चाहिए। इससे शोध के परिणाम अधिक व्यापक और वास्तविक बनते हैं।

9. समरूपता (Homogeneity)

जहाँ आवश्यक हो, प्रतिदर्श की इकाइयों में समानता होनी चाहिए ताकि अध्ययन के परिणामों की तुलना करना आसान हो सके।

10. व्यावहारिकता (Practicability)

प्रतिदर्श का चयन और अध्ययन करना सरल तथा सुविधाजनक होना चाहिए। अत्यधिक जटिल प्रतिदर्श शोध को कठिन बना सकता है।

11. किफायती (Economical)

एक अच्छा प्रतिदर्श समय, धन तथा श्रम की बचत करता है और सीमित संसाधनों में अधिकतम उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराता है।

12. स्पष्ट रूप से परिभाषित (Clearly Defined)

प्रतिदर्श की इकाइयों, चयन की विधि तथा मानदंड स्पष्ट होने चाहिए। इससे शोध की पुनरावृत्ति (Replication) करना आसान हो जाता है।

13. न्यूनतम प्रतिचयन त्रुटि (Minimum Sampling Error)

एक अच्छे प्रतिदर्श में प्रतिचयन त्रुटि (Sampling Error) न्यूनतम होनी चाहिए। इससे निष्कर्ष अधिक सटीक और वैज्ञानिक बनते हैं।

14. अनुसंधान के उद्देश्य के अनुरूप (Suitable to Research Objectives)

प्रतिदर्श का चयन शोध के उद्देश्य के अनुसार होना चाहिए। यदि प्रतिदर्श उद्देश्य से मेल नहीं खाता, तो शोध सफल नहीं हो सकता।

15. सामान्यीकरण की क्षमता (Generalizability)

एक अच्छे प्रतिदर्श से प्राप्त निष्कर्ष पूरे समग्र पर लागू किए जा सकते हैं। यही उसकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है।

16. लचीलापन (Flexibility)

एक अच्छा प्रतिदर्श शोध की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार समायोजित किया जा सकता है। यदि शोध के दौरान नई परिस्थितियाँ उत्पन्न हों, तो प्रतिदर्श उपयोगी बना रहना चाहिए।

17. तुलनात्मकता (Comparability)

प्रतिदर्श ऐसा होना चाहिए जिससे विभिन्न समूहों या परिस्थितियों की तुलना करना संभव हो। इससे शोध अधिक प्रभावी बनता है।

18. वैज्ञानिकता (Scientific Nature)

प्रतिदर्श का चयन वैज्ञानिक सिद्धांतों और सांख्यिकीय विधियों के आधार पर होना चाहिए। इससे शोध के निष्कर्ष अधिक प्रमाणिक एवं स्वीकार्य बनते हैं।

एक अच्छे प्रतिदर्श का महत्व

- यह पूरे समग्र का सही प्रतिनिधित्व करता है।
- शोध को अधिक वैज्ञानिक और विश्वसनीय बनाता है।
- समय, धन तथा श्रम की बचत करता है।
- शोध की शुद्धता एवं सटीकता बढ़ाता है।
- निष्कर्षों को पूरे समग्र पर लागू करने में सहायता करता है।
- निर्णय लेने और नीति निर्माण में उपयोगी होता है।
- सांख्यिकीय विश्लेषण को सरल बनाता है।
- शोध की वैधता (Validity) और विश्वसनीयता (Reliability) में वृद्धि करता है।

निष्कर्ष

एक अच्छा प्रतिदर्श किसी भी शोध की सफलता की आधारशिला होता है। यदि प्रतिदर्श प्रतिनिधित्वपूर्ण, पर्याप्त, निष्पक्ष, यादृच्छिक, विश्वसनीय, सटीक, किफायती, व्यावहारिक तथा वैज्ञानिक हो, तो शोध के निष्कर्ष अधिक प्रमाणिक और उपयोगी होते हैं। इसलिए प्रत्येक शोधकर्ता का यह दायित्व है कि वह प्रतिदर्श का चयन अत्यंत सावधानी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा उपयुक्त प्रतिचयन विधियों के माध्यम से करे। एक आदर्श प्रतिदर्श न केवल शोध की गुणवत्ता को बढ़ाता है, बल्कि उसके परिणामों को अधिक वैध (Valid), विश्वसनीय (Reliable), सामान्यीकरण योग्य (Generalizable) तथा उपयोगी भी बनाता है। यही कारण है कि अनुसंधान पद्धति में एक अच्छे प्रतिदर्श को शोध की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है।